गोवर्धन जी की आरती: श्री गोवर्धन महाराज

पद 1

श्री गोवर्धन महाराज, ओ महाराज,
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ॥

पद 2

तोपे पान चढ़े, तोपे फूल चढ़े,
तोपे चढ़े दूध की धार॥

पद 3

तेरी सात कोस की परिकम्मा,
चकलेश्वर है विश्राम॥

पद 4

तेरे गले में कण्ठा साज रहेओ,
ठोड़ी पे हीरा लाल॥

पद 5

तेरे कानन कुण्डल चमक रहेओ,
तेरी झाँकी बनी विशाल॥

पद 6

गिरिराज धरण प्रभु तेरी शरण,
करो भक्त का बेड़ा पार॥

अर्थ, स्रोत और दूसरी आरती-चालीसा: sanatanbodh.in/stotra/govardhan-aarti/